राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2067

02 अगस्त, 2017 को उत्तर के लिए

अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन

2067. श्री टी. रतिनावेलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्तमान राजकोषीय वर्ष की प्रथम तिमाही के दौरान भारत का अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन 4.3 प्रतिशत से बढ़कर 24.73 मिलियन टन हो गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने देश के वर्तमान इस्पात उत्पादन 100 मिलियन टन को वर्ष 2030-31 तक 300 मिलियन टन तक करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है और इस क्षेत्र में तेजी लाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): अप्रैल-जून 2017 के दौरान 24.56 मिलियन टन क्रूड इस्पात उत्पादन के आंकड़े विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं, जिनका ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :

अवधि	भारत: क्रूड इस्पात उत्पादन (एमटी)
अप्रैल-जून 2016-17*	23.72
अप्रैल-जून 2017-18*	24.56
% बदलाव*	3.5
स्रोत: जेपीसी, जून 2017 हेतु एमआईएस रिपोर्ट; *अनंतिम; एमटी=मिलियन टन	

(ख) और (ग): राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी) 2017 में यह परिकल्पना की गई है कि वर्ष 2030-31 तक 300 एमटी क्रूड इस्पात क्षमता की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और 'घरेलू विनिर्मित लोहा एवं इस्पात उत्पादों (डीएमआई एंड एसपी) को प्राथमिकता प्रदान करने के लिए नीति' को दिनांक 8 मई, 2017 को अधिसूचित किया गया है जो घरेलू इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है जिससे इस्पात उत्पादन औऱ खपत में वृद्धि होती है। जहां विशेष उत्पादों के आयात से घरेलू उद्योग की डंपिंग हुई है अथवा घरेलू उद्योग को नुकसान पहुँचा है, वहां सरकार द्वारा एंटी-डंपिंग ड्यूटी और सेफगार्ड ड्यूटी जैसे व्यापारिक उपाय भी किए गए हैं।

*****